

# Shri Vasanth Sastry

Shri Vasanth Sastry, Scientist 'G' at Aeronautical Development Establishment (ADE), Defence Research & Development Organisation (DRDO), Bangalore, is the Project Director of Sub-Sonic Cruise Missile "Nirbhay". The successful flight of Nirbhay has put India in the list of select few countries having capability to design and develop this class of cruise missiles.

2. Born on January 16, 1964, Shri Sastry received his Bachelor's degree in Mechanical Engineering from Nagpur University in 1985. He worked with Kirloskar Electric Company Limited, Bangalore, as a trainee engineer for a brief period before joining DRDO in November 1986 as a Scientist at ADE Bangalore. During the period between 1986 and 1999, his contribution in the design and development of launcher and its subsystems for unmanned aerial vehicles were noteworthy. In the meantime, Shri Sastry also acquired Post Graduate Diploma in Business Administration from Bangalore University in 1988 and a Master's degree in Machine Design from IIT Kharagpur in 1993. He led a team of young scientists during 2000- 2010 with the responsibility of structural design and development of aircraft carried weapon system.

3. Shri Sastry moved to Delhi in February 2010 and joined the Group for Forecasting and Analysis of Systems and Technologies (G-FAST), a DRDO think- tank group. His three and half years stint at G-FAST gave him an exposure to a number of future technologies in various domains which helped him significantly to contribute in the preparation of a technology vision document for DRDO. In addition, he had coordinated and contributed towards concepts for prevention of unauthorized aircraft intrusion into restricted air space.

4. Shri Sastry returned to his former establishment, ADE, after completing the tenure with G-FAST and took up the responsibility of the Project Director in October 2013 for leading a multi-laboratory multi-disciplinary Project Nirbhay. Apart from overall management of the Project, he has contributed towards configuration finalization, system design, finalizing the mission objectives and mission plan. His other responsibilities include, coordination with other DRDO work centres ensuring compliance to quality requirements and timely realization of hardware, interaction with Services regarding finalisation of qualitative requirements, and launch planning and coordination.

5. Shri Sastry is the recipient of five laboratory level awards including the young scientist award. He has published number of technical papers and reports. His technical paper presented in the technical session on "Aerospace Systems" in 24 National Science Conference-2000 held at ISRO, Bangalore was adjudged the best paper presentation award. He is a life member of Indian Society for Advancement of Materials and Process Engineering.



# श्री वसंत शास्त्री

श्री वसंत शास्त्री, वैमानिक विकास प्रतिष्ठान, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, बैंगलोर में वैज्ञानिक "जी" हैं। आप सब-सोनिक क्रूइस मिसाइल "निर्भय" के परियोजना निदेशक हैं। निर्भय की सफल उड़ान से भारत उन चुने हुए देशों की सूची में आ गया है जिनके पास इस कोटि की क्रूइस मिसाइल का डिज़ाइन बनाने और उसका विकास करने की क्षमता है।

2. आपका जन्म जनवरी 16, 1964 को हुआ। आपने नागपुर विश्वविद्यालय से वर्ष, 1985 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। ए डी ई बैंगलोर में वैज्ञानिक के रूप में नवम्बर, 1986 में डी आर डी ओ को ज्वॉइन करने से पहले आपने कुछ समय के लिए इंजीनियर प्रशिक्षु के रूप में किरलोस्कर इलैक्ट्रिक कंपनी लिमिटेड, बैंगलोर में काम किया। वर्ष, 1986 से 1999 की अवधि के दौरान मानव रहित वायु वाहनों के लांचर और इनके सब-सिस्टम्स का डिज़ाइन तैयार करने और उसका विकास करने में आपका योगदान असाधारण था। इसी बीच आपने बैंगलोर विश्वविद्यालय से वर्ष, 1988 में बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और आई आई टी खड़गपुर से वर्ष, 1993 में मशीन डिज़ाइन में मास्टर्स डिग्री भी प्राप्त की। आपने एयरक्राफ्ट कॅरिअॅर वैपन सिस्टम का ढांचागत डिज़ाइन बनाने और उसका विकास करने की जिम्मेदारी के साथ वर्ष, 2000-2010 के दौरान युवा वैज्ञानिकों की टीम का नेतृत्व किया।

3. आप फरवरी, 2010 में दिल्ली आ गए और ग्रुप फॉर फोरकास्टिंग एंड एनालिसिस ऑव सिस्टम्स एंड टैक्नोलॉजीज़ (जी-फास्ट), जो डी आर डी ओ का विचारक मंडल है, ज्वॉइन कर लिया। जी-फास्ट में साढ़े तीन साल की अवधि के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य की कई प्रकार की प्रौद्योगिकियों के बारे में आपको जानकारी मिली जिसने डी आर डी ओ के लिए टैक्नोलॉजी विज़न डॉक्यूमेंट तैयार करने में आपकी काफी मदद की। इसके अतिरिक्त आपने प्रतिबंधित वायु क्षेत्र में हवाई जहाजों की अनधिकृत घुसपैठ रोकने की अवधारणा का समन्वय किया और उसमें अपना योगदान दिया।

4. जी-फास्ट में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद आप अपने पूर्ववर्ती प्रतिष्ठान ए डी ई में लौट आए और मल्टी-लेबोरेटरी मल्टी-डिसिप्लिनरी प्रोजेक्ट निर्भय की अगुवाई करने के लिए अक्तूबर, 2013 में परियोजना निदेशक की अपनी जिम्मेदारी संभाल ली। परियोजना का समग्र प्रबंधन करने के अलावा आपने कंफ्यूगरेशन फाइनलाइज़ेशन, सिस्टम डिज़ाइन, मिशन के उद्देश्यों और मिशन की योजनाओं को अंतिम रूप देने में भी अपना योगदान दिया। आपकी अन्य जिम्मेदारियों में डी आर डी ओ के अन्य कार्य केन्द्रों के साथ समन्वय करना, गुणवत्ता अपेक्षाओं का अनुपालन सुनिश्चित करना, समय पर हार्डवेयर प्रदान करना, गुणात्मक अपेक्षाओं को अंतिम रूप देने वाली सेवाओं के साथ बातचीत करना, योजना बनाना और समन्वय करना शामिल है।

5. आपको प्रयोगशाला स्तर के पांच पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जिनमें युवा वैज्ञानिक पुरस्कार भी शामिल है। आपने कई तकनीकी दस्तावेज़ और रिपोर्टें प्रकाशित की हैं। आई एस आर ओ बैंगलोर में हुई 24वीं नेशनल साइंस कांफ्रेंस-2000 में - "एयरोस्पेस सिस्टम्स" के तकनीकी सत्र में प्रस्तुत किए गए आपके तकनीकी दस्तावेजों को बेस्ट पेपर प्रेजेंटेशन पुरस्कार प्रदान किया गया। आप इंडियन सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑव मटीरियल्स एंड प्रोसेस इंजीनियरिंग के आजीवन सदस्य हैं।